



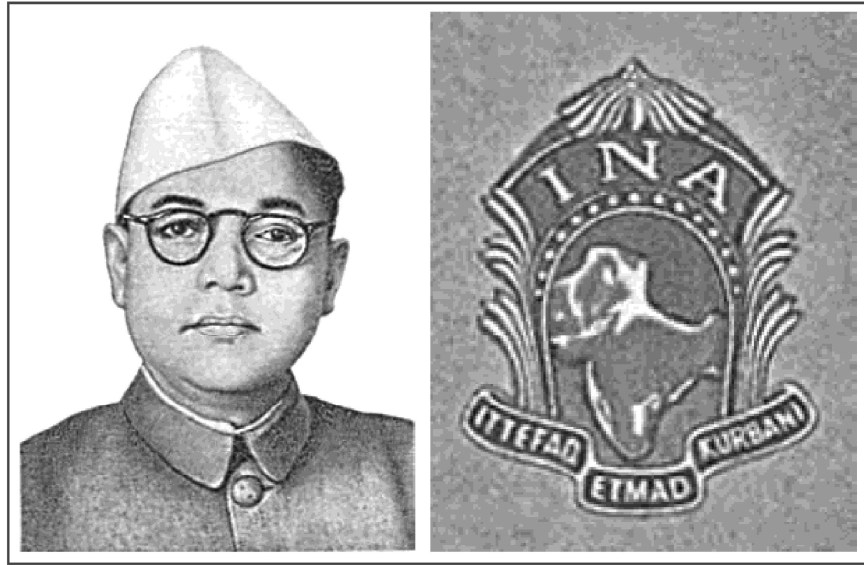
पाठ – तीन
आज़ाद हिन्द फ़ौज



रास बिहारी बोस

द्वितीय महायुद्ध के दौरान स्वतंत्रता आन्दोलन का सब-से महत्वपूर्ण कदम था आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन। आज़ाद हिन्द फ़ौज को आई.एन.ए.के नाम से भी जाना जाता है। रास बिहारी बोस जो एक भारतीय क्रान्तिकारी थे, भारत से फ़रार होकर जापान में कई सालों से रहने लगे थे। जापान में उन्होंने 'इंडियन इण्डेपेण्डन्स लीग' नामक एक संस्था खोली। इस लीग में दक्षिण पूर्वी-एशियाई भारतवासियों ने भाग लिया। जापान में युद्धबन्दी के रूप में रखे गए हजारों भारतीय अंग्रेजी फौजी इस लीग में शामिल होकर भारत के स्वतंत्रता-आन्दोलन में भाग लिये। जापानियों ने ब्रिटिश

फौजियों को डराकर दक्षिण-पूर्वी एशिया के अधिकांश प्रदेशों को उनके कब्जे में रखा। उस समय इण्डियन इण्डेपेण्डन्स लीग ने जापान में 'आज़ाद हिन्द फौज' की स्थापना करने की व्यवस्था शुरू की।



भारत को ब्रिटिश से कब्जे के मुक्त कराना ही उस लीग के सदस्यों का उद्देश्य था। जनरल मोहन सिंह जी ब्रिटिश इण्डियन आर्मी में थे, आज़ाद हिन्द फौज की देख-भाल में प्रमुख भूमिका निभाते थे। गांधी जी, बाबू राजेन्द्र तथा अन्य नेताओं ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से आगे बढ़ने का प्रयत्न किया था, लेकिन सुभाष बाबू ने ब्रिटिश सरकार को भगाने के लिए सरकार के विरुद्ध अस्त्र-शस्त्र प्रयोग करने की आवाज उठाई थी। फलतः सुभाष को पकड़ा गया और जेल में बन्द कर दिया गया। जेल में सुभाष ने अनशन शुरू किया। सरकार ने मज़बूर होकर कूटनीति से उनको छोड़ तो दिया, मगर उन्हें अपने घर में ही नज़रबन्द कर दिया। चारों तरफ सरकारी पुलिस की बड़ी कड़ी नज़र रखी गई।

सन् 1941 को एक दिन वे शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार की खुफिया पुलिस की आँखों में धूल झोंक कर एक गूँगे पठान के वेश में नज़रबन्द घर से निकल कर पेशावर,

काबूल और वहाँ से बर्लिन होते हुए सिंगापुर पहुँचे। सिंगापुर से जापान पहुँच कर उन्होंने जापान तथा दक्षिण-पूर्वी एशिया में रहनेवाले भारतवासियों की सहायता से आजाद हिन्द फौज को दृढ़ और शक्तिबर्धक बनाया। आगे चल कर 21 अक्टूबर, 1943 को आजाद हिन्द फौज की सरकार प्रतिष्ठापित की गई। आजाद हिन्द सरकार का शासन सुसंगठित रहा तथा इसके बीस करोड़ रूपए की पूँजी भी थी। इस सरकार ने अपने निजी स्टाम्प और सिक्का भी चलाए थे। स्टाम्प तथा सिक्कों का सही रूप आइ.एन.ए. मोइराइ में सुभाषचन्द्र बोस मेमोरियल संग्रहालय में देखने को मिलेगा।



उस समय आज़ाद हिन्द फ़ौज में पचास हजार सुशिक्षित और सुसंगठित सैनिक थे। उनका नारा था “जय हिन्द”। यह नारा आज हमारे राष्ट्र का परम पवित्र मंत्र बन गया है। इस समय सुभाष की पुकार थी – “तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।” सन् 1944 की शुरुआत में सुभाषचन्द्र बोस, जो नेताजी के नाम से प्रसिद्ध थे, जापानी फ़ौज के कब्ज़े में रहे आन्दामान द्वीप पुँज में गए थे। उस द्वीप में भी उन्होंने सेनाएँ इकट्ठी कीं। उनका विश्वास था कि जापानी फ़ौजों की सहायता से भारत की जमीन पर युद्ध करके ब्रिटिश को भगा सकेंगे और भारत को स्वतंत्रता दिला सकेंगे। लेकिन अलग विचारवाले भारत के राष्ट्रवादि जापानी युद्धकारियों पर विश्वास नहीं करते थे। फिर भी जापान ने वर्मा पर आक्रमण किया तब सुभाष भी अपनी फ़ौज लेकर ब्रिटिश मोर्चे पर टूट पड़े। वे इस तरह टिडिडम रोड होते हुए वर्तमान नागालैण्ड की राजधानी कोहिमा की यात्रा में सर्वप्रथम मोइराड में ठहरे थे और इम्फाल होते हुए कोहिमा की तरफ चल पड़े। उसी यात्रा में उनके नारे थे – “दिल्ली चलो” तथा “जय हिन्द”। आज़ाद हिन्द फ़ौज में महिलाओं का भी एक अलग रेजिमेन्ट लक्ष्मी स्वामीनाथन के नेतृत्व में निर्माण किया। उस रेजिमेन्ट का नाम “रानी झाँसी रेजिमेन्ट” था।



कालांतर में दुर्भाग्य से जापान के हिरोशिमा और नागासाकी, दो शहरों पर परमाणु बम गिराने से जापान की सारी शक्ति धूल में मिल गई तथा इस द्वितीय महायुद्ध में जापान की हार हुई। जापान की पराजय के साथ आज़ाद हिन्द फ़ौज भी केवल इतिहास के पन्ने में रह गई और एक अजीब नाटकीय ढंग से सिंगापुर से जापान के हवाई-मार्ग में अकारण दुर्घटना में सुभाष की मृत्यु हो गई। आज तक उनकी मृत्यु के बारे में काफी विवादग्रस्त विचार होते रहे हैं।

कठिन शब्दों के अर्थ—

दौरान	= काल चक्र, दिनों का फेर।
गठन	= बिखरी हुई शक्ति को इकट्ठा करना।
फरार होना	= भाग जाना(अपराध करके), चम्पत होना।
क्रब्जे में	= अधिकार में।
भूमिका	= पृष्ठभूमि।
अनशन	= उपवास, आहार त्याग।
कूटनीति	= छिपी हुई चाल, गुप्त चाल।
नज़रबन्द	= एक स्थान में कैद, नज़रबन्दी की सजा प्राप्त।
खुफ़िया	= छिपा हुआ, गुप्त।
आँखों में धूल झोंक कर	= छल कर, धोखा देकर।
पूँजी	= जमा किया हुआ धन, आय देने हेतु व्यवसाय में लगाया धन।
नारा	= जोर का शब्द, बुलंद की जानेवाली सामूहिक आवाज।
कालांतर	= अपने समय के बाद होनेवाला, अंतराल, नियत समय के बाद का समय।
विवादग्रस्त	= विवाद में फँसा हुआ।

प्रश्न-अभ्यास

1. रास बिहारी बोस कौन थे ? उन्होंने कौन-सी संस्था खोली थी ? उस संस्था के सदस्य कौन-कौन थे ?
2. भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने में सुभाषचन्द्र बोस और महात्मा गांधी जी के विचारों को लिखिए और दोनों में क्या मतभेद है ?
3. आज़ाद हिन्द फ़ौज की स्थापना कब और कहाँ हुई थी ? इसका उद्देश्य क्या है ?
4. सुभाषचन्द्र बोस का नारा क्या है ? किस रास्ते में होकर वे जापान पहुँचे और वहाँ उन्होंने क्या किया ?
5. आज़ाद हिन्दी फ़ौज में कौन-सी अन्य रेजिमेन्ट थी ? उस रेजिमेन्ट का क्या नाम था और किसने उसका नेतृत्व किया ?
6. आजाद हिन्द फौज के गठन की कहानी संक्षेप में लिखिए।
7. भारत के दस देश भक्त स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए।
8. 'दिल्ली चलो तथा जय हिन्द' नारे के साथ नेताजी जिस रास्ते से होकर कोहिमा पहुँचे, उस रास्ते को उत्तर-पूर्वी भारत का एक मानचित्र खींच कर निर्धारित कीजिए।
9. जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी में बम गिराने की कहानी अपने माँ-बाप अथवा अध्यापक से पूछ कर दस वाक्यों में लिखिए।
